

No. of Printed Pages : 7

**BPY-007**

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP)**

**Term-End Examination**

**December, 2021**

**(Elective Course : Philosophy)**

**BPY-007 : ETHICS**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

**Note :** (i) Answer all the **five** questions.

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answers to Question No. 1 and 2 should be in about **400** words each.

1. Explain the important aspects of metaethics or second order ethics. 20

*Or*

Discuss the ethical teachings of Swami Dayanand Saraswati and the Arya Samaj.

2. What do you mean by natural law ? Why is natural law universally valid ? Explain. 20

*Or*

Discuss the concept and meaning of abortion and explain the risks involved in it.

3. Answer any **two** of the following questions in about **200** words each : 10 each

(a) Explain in brief the importance of Aristotlean ethics .

(b) Briefly explain the ethical aspects of Buddhism.

(c) What do you mean by Virtue ? Explain the Socratic dictum 'Virtue is knowledge'.

(d) Explain the different kinds of violence.

4. Answer any **four** of the following questions in about **150** words each : 5 each

(a) What are the principal elements in virtue ethics ?

(b) Explain the importance of Kant's categorical imperative.

- (c) Bring out the concept of dharma in Ramayana and Mahabharata.
- (d) Describe the importance of ethics in Gandhian thought.
- (e) What are the factors determining the morality of human acts ?
- (f) Highlight the suggestions advanced to overcome violence.
5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each : 4 each
- (a) Terrorism
- (b) Eustress
- (c) Cardinal virtues of Plato
- (d) Hedonism
- (e) Ethics in Gita
- (f) Humanism of Swami Vivekananda
- (g) Importance of studying ethics
- (h) Hedonistic calculus

**स्नातक उपाधि कार्यक्रम****( बी. डी. पी. )****सत्रांत परीक्षा****दिसम्बर . 2021****( ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र )****बी.पी.वार्ड.-007 : नीतिशास्त्र****समय : 3 घण्टे****अधिकतम अंक : 100****नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।****(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।****(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।**

- 
1. अधिनीतिशास्त्र अथवा द्वितीय स्तरीय नीतिशास्त्र के महत्वपूर्ण पक्षों की व्याख्या कीजिए। 20

**अथवा**

स्वामी दयानन्द सरस्वती और आर्य समाज की नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए।

2. प्राकृतिक नियम से आप क्या समझते हैं ? प्राकृतिक नियम सार्वभौम रूप से वैध क्यों है ? व्याख्या कीजिए।

20

### अथवा

गर्भपात के प्रत्यय और अर्थ तथा इसमें निहित संकटों की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) अरस्तवादी नीतिशास्त्र के महत्व की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

(ख) बौद्ध दर्शन के नैतिक पक्षों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(ग) सदगण से आप क्या समझते हैं ? सकरात के कथन 'सदगण ही ज्ञान है' की व्याख्या कीजिए। 10

(घ) विभिन्न प्रकार की हिंसाओं की व्याख्या कीजिए।

10

P. T. O.

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) सदगण नीतिशास्त्र के मुख्य तत्व कौन-से हैं ?

5

(ख) कांट के निरपेक्ष आदेश के महत्व की व्याख्या कीजिए। 5

(ग) रामायण और महाभारत में प्रस्तुत धर्म के प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। 5

(घ) गांधी दर्शन में नीतिशास्त्र के महत्व का वर्णन कीजिए। 5

(ङ) मानव कृत्य में नैतिकता को निर्धारित करने वाले कारक कौन-से हैं ? 5

(च) हिंसा को नियन्त्रित करने के लिए प्रस्तुत सझावों पर प्रकाश डालिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आतंकवाद

4

(ख) सकारात्मक तनाव	4
(ग) प्लेटो के प्रधान सदगण	4
(घ) सखवाद	4
(ङ) गीता का नीतिशास्त्र	4
(च) स्वामी विवेकानन्द का मानववाद	4
(छ) नीतिशास्त्र के अध्ययन का महत्व	4
(ज) सखवादी कलन	4